साहित्य अकादमी पुरस्कार: 24 भारतीय भाषाओं के लेखक पुरस्कृत

- **संत केवल कवि नहीं, बड़ी सोच, व्यापक दृष्टि के साहित्यकार थे : मेघवाल**
- **6 दिवसीय साहित्योत्सव हुआ शुरू**

नई दिल्ली, 11 मार्च (नवोदय टाइम्स): हमें समाज में एक ऐसी सकारात्मकता पैदा करनी है, जिससे हमारा देश विकासशील की जगह विकसित राष्ट्र की पदवी पा सके। प्राचीन संत कवियों कबीर, गुरु नानक व तिरुवल्लुवर संत केवल कवि नहीं बल्कि बड़ी सोच और व्यापक दृष्टि के साहित्यकार थे, जिन्होंने हमें प्रकृति से प्यार करना सिखाया। उक्त बातें संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने साहित्य अकादमी के छह दिवसीय साहित्योत्सव का शुभारंभ करने के दौरान कहीं।

मेघवाल ने अकादमी द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी कला और साहित्यिक संस्थानों को समाज में रचनात्मक और सकारात्मक परिवेश बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। जी20 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि

इसकी थीम भारतीय संस्कृति और परंपरा आधारित और सिद्धांतों 'एक पृथ्वी एक परिवार और एक भविष्य' पर आधारित है। ऐसे बड़े आयोजनों से ही हम अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। अकादमी के पुरस्कार अर्पण समारोह की अध्यक्षता अकादमी को पुनर्गठन नए अध्यक्ष माधव कौशिक ने की और स्वागत वक्तव्य नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि अंग्रेजी लेखक एवं विद्वान उपमन्यु चटर्जी थे।

इस दौरान 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को पुरस्कृत किया गया। जिनमें मनोज कुमार गोस्वामी (असमिया), तपन बंद्योपाध्याय (बांग्ला), रश्मि चौधुरी (बोडो), वीणा गुप्ता (डोगरी), अनुराधा रॉय (अंग्रेजी), गुलाम मोहम्मद शेख (गुजराती), बद्री नारायण (हिंदी), मुडनाकुडु चिन्नास्वामी (कन्नड़), फ़ारूक़ फ़याज़ (कश्मीरी), माया अनिल खरंगटे (कोंकणी), अजित आज़ाद (मैथिली), एम. थॉमस मैथ्यू (मलयालम), कोइजम शांतिबाला (मणिपुरी), प्रवीण दशरथ बांदेकर (मराठी), के.बी. नेपाली (नेपाली), गायत्रीबाला पंडा (सुखजीत (पंजाबी), जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' (संस्कृत), काजली सोरेन 'जगन्नाथ सोरेन' (संताली), कन्हैयालाल लेखवाणी (सिंधी), एम. राजेंद्रन (तमिल), मधुरांतकम नरेंद्र (तेलुगु), अनीस अशफ़ाक़ (उर्दू) मौजूद रहे। जबकि कमला रंगा (राजस्थानी) पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आ सके।